झारखण्ड सरकार

झारखण्ड राज्य खाद्य आयोग, राँची।

पत्रांक :– रा0खा0आ0 (विविध) 17 / 2022 - 677

प्रेषक,

संजय कुमार
सदस्य सचिव,
झारखण्ड राज्य खाद्य आयोग, राँची।

सेवा में,

सचिव
स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग,
झारखण्ड, राँची।

राँची, दिनांकः– 16.8.2022

विषयः– राज्य के प्रारंभिक विद्यालयों में मीड–डे–मील की राशि खत्म हो जाने से संबंधित प्रकाशित समाचार पर कार्रवाई के संबंध में।

महाशय,

उपर्युक्त विषय के संबंध में निदेशानुसार कहना है कि दैनिक समाचार पत्र हिन्दुस्तान में दिनांक–18.07.2022 एवं दैनिक भास्कर में दिनांक–02.08.2022 को राज्य के विद्यालयों में मीड–डे–मील की राशि खत्म हो जाने एवं इसके फलस्वरूप मीड–डे–मील बाधित होने से संबंधित समाचार प्रकाशित हुई है।

अतः उपरोक्त प्रकाशित समाचार–पत्रों की कतरन की प्रति संलग्न कर आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित की जा रही है।

अनु0–यथोक्त।

विश्वासभाजन

16/8/22

(संजय कुमार)
सदस्य सचिव,
झारखण्ड राज्य खाद्य आयोग, राँची।

पता–झारखण्ड राज्य आवास बोर्ड के पुराने भवन का द्वितीय तल, हरमू हाउसिंग कॉलोनी, राँची–834002
email-jharfoodcommission@gmail.com, Ph. No:-06512252267/2252261

(23)

दैनिक भास्कर (दिनांक - 02/08/2022)

एमडीएम का पैसा खत्म... कहीं उधार तो कहीं अंडे खरीदने के पैसे से दिया जा रहा मध्याह्न भोजन

रांची जिले में पहली से आठवीं कक्षा तक के 2.51 लाख बच्चों को दिया जाता है एमडीएम

रांची | प्राथमिक विद्यालयों में एमडीएम का पैसा खत्म हो गया है। कहीं उधार तो कहीं अंडे के पैसे से बच्चों को खाना खिलाया जा रहा है। 15 दिनों से यह स्थिति है। बताते चलें कि जुलाई से सितंबर तक की राशि एक साथ जारी होनी थी। लेकिन अब तक स्कूलों को एमडीएम की राशि नहीं मिली है। अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रवक्ता नसीम अहमद बताते हैं कि तीन माह की राशि एक साथ विमुक्त की गई थी। विमुक्त करने के बाद 5वां माह चल रहा है। दुकानदार भी एक सप्ताह से अधिक की उधार देने में आनाकानी कर रहे हैं। रांची जिले में 2125 प्राथमिक स्कूल है। इसमें पहली से 5वीं क्लास में पढ़ने वाले बच्चों की संख्या एक लाख 62 हजार 348 है। वहीं क्लास सिक्स से 8वीं तक के क्लास में 89 हजार 494 है। राशि के अभाव में इन बच्चों का एमडीएम बाधित हो रहा है।

एमडीएम मद राशि नहीं मिली है लेकिन बच्चों को खाना खिलाया जा रहा है। शिक्षक दुकान से उधार पर राशन उपलब्ध करा रहे हैं। कहीं-कहीं अंडे के पैसे से मिड डे मिल चलाया जा रहा है. अंडा मद में जितनी राशि खर्च होगी, राशि मिलने के बाद उसमें क्षतिपूर्ति कर दी जाएगी।

-कमला सिंह, डीएससी, रांची

22

put up
27/8/22

हिन्दुस्तान
दिनांक - 18-07-2022

मिड-डे-मील की राशि खत्म, उधार में आ रहा राशन

रांची, हिन्दुस्तान ब्यूरो। झारखंड के प्रारंभिक स्कूलों में मिड-डे-मील की कुकिंग कॉस्ट की राशि खत्म हो गयी है। अब उधार में ही राशन मंगाए जा रहे हैं। स्थिति यह है कि 15 दिनों तक उधार देने के बाद अब दुकानदार भी राशन देने से इनकार कर रहे हैं। ऐसे में स्कूलों में मिड-डे-मील बनाने का संकट सामने आ गया है।

शिक्षकों को अब अपनी जेब से पैसे लगाकर दाल, तेल, मसाला, चना, सोयाबीन, आलू समेत हरी सब्जियां खरीदकर बच्चों को खिला रहे हैं। मध्याह्न भोजन प्राधिकरण ने तीन महीने की कुकिंग कॉस्ट की जारी की थी। यह राशि अप्रैल से जून तक की के लिए जारी की गई थी। जुलाई से सितंबर तक की राशि एक साथ जारी होनी थी, जिससे राशन, मसाला और सब्जियां खरीदकर मिड-डे-मील तैयार किया जाता। बावजूद इसके जुलाई का आधा महीना बीतने के बाद भी अब तक राशि जारी नहीं हो सकी है।

> एमडीएम कुकिंग कॉस्ट की राशि के अभाव में छात्रों को दोपहर का भोजन उपलब्ध करा पाना संभव नहीं है। तीन महीने के हिसाब से राशि दी गई थी, जो पर्याप्त नहीं थी। अब चौथा महीना समाप्ति की ओर है। ऐसे में राशि के बिना छात्रों को भोजन उपलब्ध करा पाना असंभव है। दुकानदार भी एक सप्ताह से अधिक की उधारी नहीं देते हैं।
>
> **– नसीम अहमद**, मुख्य प्रवक्ता, अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ

स्कूलों के प्रधानाध्यापकों से लेकर शिक्षकों में इसका रोष देखा जा रहा है। शहरी क्षेत्रों में तो 15 दिन या महीने का राशन उधार में मिल जा रहा है, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों जहां छोटे-छोटे दुकानदार राशन का समान रखते हैं, वहां से उधार देने के बाद तकादा शुरू हो गया है। साथ ही, राशि भुगतान के बाद भी राशन देने की बात कही जा रही है। राशन तो उधार भी मिल जाती है, लेकिन सब्जी खरीदने के लिए शिक्षकों को अपने जेबें ढीली करनी पड़ती हैं। यह समस्या एक या दो शिक्षक वाले स्कूल हो या फिर इससे ज्यादा वहां भी है।

28/07/22

613
29.07.22